खबर संक्षेप

श्रमिक नेता ने लगाया कंपनी प्रबंधन पर उत्पीड़न और रिश्वतखोरी का आरोप

शहडोल। संभाग के अनुपपुर जिले के ग्राम चौमखी निवासी श्रमिक संगठन से जुड़े नेता जुगुल किशोर राठौर ने एक शिकायती पत्र के माध्यम से कंपनी प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राठौर ने पुलिस महानिरीक्षक को दिए आवेदन में कहा है कि 7 मई 2025 को शासन द्वारा आयोजित जनसुनवाई में अपनी बात रखने के बाद उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। श्री राठौर का आरोप है कि श्रमिकों के हितों की रक्षा और कंपनी में व्याप्त अनियमितताओं को उजागर करने के चलते उन्हें झूठे आरोपों में फंसाने की साजिश रची गई। उन्होंने बताया कि 3 मई को जब वे दिल्ली से लौटे, तो कंपनी प्रबंधन के निर्देश पर कुछ लोगों ने रास्ते में रोककर उनकी गाड़ी की तलाशी ली और 500 की नोटों की पांच गड्डियां 2.5 लाख नकद जबरन निकाल लीं। इसके बाद 5 मई को अधिकारियों के समक्ष चर्चा के दौरान एक बार फिर उनके घर की तलाशी ली गई और पुनः 2.5 लाख की राशि निकाल ली गई। श्री राठौर ने दावा किया कि उन्हें धमकाकर शांत रहने को कहा गया और रिश्वत देने के एवज में मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी प्रबंधन से जुड़े गौरव पाठक ने फोन कर उन्हें खुलेआम धमकी दी कि हमारे खिलाफ जाने की हिम्मत मत करना, पुलिस और सिस्टम हमारे साथ है। श्री राठौर ने इन घटनाओं को गंभीर आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न बताते हुए कहा कि वे अब अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। श्री राठौर ने मामले को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई योग्य बताया है और कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतंत्र में जनता की आवाज दबाने का प्रयास हैं। उन्होंने उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, थाना जोहिला सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। उन्होंने अनुरोध किया है कि श्रमिकों की आवाज को दबाने वाले तत्वों पर सख्त कार्यवाही की जाए ताकि आमजन का व्यवस्था में विश्वास बना रहे।

सड़क पर बैठे मवेशी से बाइक टकराईः एक की हालत गंभीर, तीन घायल

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के साखी बैरियल के पास गुरुवार तडक़े करीब 4 बजे एक गंभीर सडक़ दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना एक बाइक द्वारा सडक़ पर बैठे मवेशी से टकराने के कारण हुई, जिसमें एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना के बाद, स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जिसमें एक की हालत गंभीर बताई गई है। अन्य दो घायल व्यक्तियों को हल्की चोटें आई हैं। घटना के वक्त बाइक पर तीन लोग सवार थे, बाइक की रफ्तार तेज होने से सडक़ पर बैठे मवेशी से बाइक टकरा गई,जिससे यह घटना घटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मवेशियों को हांका टीम सडक़ से हटाती नहीं जिससे इसी घटना रोज हो रही है।कई लोगों की जान भी जा चुकी है, लेकिन अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता का संदेश देने छात्रो ने बनाए पोस्टर

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में गांव-गांव गूंज रही राष्ट्रभक्ति की भावना। मध्यप्रदेश में आजादी का पर्व जन-सहभागिता का अद्वितीय उत्सव बना है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में शहडोल जिले में 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान तीन चरणों में चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनपद पंचायत जयसिंहनगर के पेसा मोबलाइजर, शिक्षक, विद्यार्थी अहम भूमिका निभा रहे है। र घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान के प्रथम चरण के तहत हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता का संदेश देने के लिए जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम बराछ के शासकीय हाई स्कूल बराछ में अध्ययनरत छात्राओं द्वारा पोस्टर बनाए गए तथा निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

नगर पालिका की ऐसी 'भव्य दुर्दशा'!

कांजी हाउस में कैद नगर पालिका ब्यौहारी की सरकार मगर भवन बेगाना!

भाजपा की सरकार, भाजपा का नगर पालिका, भाजपा के विधायक-सांसद और जनता? बस 'कांजी हाउस' की गवाह! जर्जर छत, गिरता प्लास्टर और लाखों-करोड़ों का बजट

ब्यौहारी नगर पालिका इन दिनों अपने 'ऐतिहासिक' स्थान पर चर्चा में है, लेकिन यह ऐतिहासिकता गौरव की नहीं, 'गौरवशाली उपेक्षा' की कहानी कहती है। कांजी हाउस के भूखंड पर संचालित नगर पालिका का जर्जर भवन ना सिर्फ कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि पूरी व्यवस्था पर तंज कसता प्रतीत होता है। मज़ेदार बात ये है कि पूरी सत्ता भाजपा के पास होते हुए भी हालत 'गायब जिम्मेदारियों' वाली है।

शहडोल/ब्यौहारी।

यह कोई व्यंग्य चित्र नहीं, हकीकत है, जिले की ब्यौहारी नगर पालिका का दफ्तर आज भी कांजी हाउस के भूखंड पर संचालित हो रहा है। जी हाँ, वही कांजी हाउस जिसमें कभी गाय-भैंस बंद की जाती थी। अब उसी में पालिका के कर्मचारी बैठकर 'शासन' चला रहे हैं, कभी छत झेलते हैं, कभी प्लास्टर। बाकी जनता तो वैसे भी सरकारी व्यवस्था से काफी कुछ 'झेलने' की आदी हो चुकी है। किसी नवगठित पंचायत या पिछड़े गांव की नहीं, यह बात एक पूर्ण नगर पालिका की हो रही है, जिसकी छतें बरसात में

यूं गिरती हैं जैसे सरकार की जवाबदेही। भवन इतना जर्जर हो चुका है कि अब कई कमरों में बैठना तक मुमकिन नहीं रहा। यदि किसी दिन कोई फाइल सिर पर आ गिरे, तो उसे दुर्घटना नहीं, 'प्राकृतिक सरकारी प्रबंध' माना जाएगा।

अब आइए, थोड़ा 'राजपत्र' झाँक ले

साल 2022 में तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामसिरोमणि त्रिपाठी द्वारा कलेक्टर शहडोल को तीन खसरा नंबर 2218, 2041, 2215/1 पर नए भवन, सब्जी मंडी और दुकानों के निर्माण हेतु आवेदन भेजा गया था। 2218 में कार्यालय भवन निर्माण हेतु, 2041 में सब्जी मंडी निर्माण हेतु, 2215/1 में दुकान निर्माण हेतु उल्लेख था, आवेदन में बताया गया कि नगर पालिका का वर्तमान भवन न केवल राजस्व रिकॉर्ड में कांजी हाउस के नाम पर दर्ज है, बल्कि गंभीर रूप से जर्जर भी है। आवेदन की तारीख थी 22 अक्टूबर 2022 हाँ, वही साल जब प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकारें जनता की 'भलाई' के लिए वचनबद्ध थीं। अब सवाल यह है कि जब बजट है, भूमि चिन्हित है, आवेदन हो

चुका है, तो भवन क्यों नहीं बन रहा?

भाजपा-'सब कुछ हमारा, फिर भी पराया' पार्टी!

ब्यौहारी नगर पालिका अध्यक्ष भाजपा से, विधायक भाजपा से, सांसद भाजपा से, जनपद अध्यक्ष भी भाजपा से, और प्रदेश व केंद्र सरकार भी भाजपा की। फिर किससे मांगें जवाब? शायद समस्या यह है कि जब सत्ता हर स्तर पर एक ही दल की हो, तो जनता की शिकायत का ठिकाना ही नहीं बचता - ऊपर से नीचे तक सन्नाटा! भाजपा जनप्रतिनिधि अगर चाहें तो एक दिन में नए भवन का शिलान्यास करा सकते हैं, लेकिन उन्होंने शायद ये मान लिया है कि अगर पुराना भवन गिर भी जाए तो जनता अब आदत डाल चुकी है 'ध्वस्त तंत्र' की। अब नगर पालिका का कोई भी काम करना हो, तो लोग पहले ये देख लेते हैं कि छत कहीं टपक न रही हो - फॉर्म भीग गया तो फिर लाइन में लगना पड़ेगा। कर्मचारी भी सरकार की तरह 'पानी बहने' से नहीं डरते - वर्षों से सब सहते आए हैं।

सरकारी वाहन और जनता-दोनों के लिए संकट

इतना ही नहीं, भवन के आस-पास पार्किंग की भी कोई व्यवस्था

नहीं है। सरकारी वाहन तिरछे-टेढ़े खड़े किए जाते हैं, किसी दिन दुर्घटना हो जाए तो उसे 'सरकारी भाग्य' समझिए। नागरिकों को आने-जाने की भी दिक्कत होती है, और बदबूदार वातावरण में नगर पालिका के 'स्वच्छता मिशन' की असल तस्वीर साफ झलकती है। सवाल यह भी है कि क्या कोई हादसा होने के बाद ही भवन बदला जाएगा? क्या जनता की सुरक्षा और कर्मचारी की सुविधा तब ही महत्वपूर्ण मानी जाएगी, जब किसी की जान जाए? या फिर यह मान लिया गया है कि 'भाजपा के राज में जनता सहनशील' बन ही गई है?

नगर पालिका को कांजी हाउस से उठाइए

ब्यौहारी की जनता को आज जवाब चाहिए, कब तक उनका नगर पालिका कांजी हाउस में कैद रहेगा? कब तक जनता को जर्जर भवन में सेवा लेने जाना होगा? और कब भाजपा नेतृत्व यह सोचेगा कि जनता ने उन्हें सिर्फ प्रचार के लिए नहीं, जिम्मेदारी निभाने के लिए चुना है। ब्यौहारी की यह त्रासदी महज एक भवन की नहीं, पूरी शासन व्यवस्था की पोल खोलती है। जहां जिम्मेदारियों केवल घोषणाओं में रह जाती हैं, और जर्जर भवनों में जनता न्याय ढूंढती है।

नियमों को दरकिनार कर दौड़ रहे स्कूली वाहन

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर विकास खण्ड अंतर्गत स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग, स्कूल प्रबंधन, परिजन पूरी उदासीन हैं। स्कूली वाहनों के मानकों, नियमों का कोई पालन नहीं कराया जाता है। स्कूली बच्चे बुलेरो, आटो, टेम्पो से स्कूल आ जा रहे, इसे कोई रोकने टोकने वाला नहीं है। जिम्मेदार विभाग द्वारा स्कूली वाहनों की जांच नहीं की जाती। ऐसा लगता है कि जैसे जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़ी घटना के इंतजार में हैं। अगर घटना कारित होती है तो जिम्मेदार कौन होगा, परिवहन विभाग नींद से नहीं जाग रहा है, ऑटो से लेकर प्राइवेट वैन, बुलेरो संचालन बेखौफ नियमों का खुला उल्लंघन कर स्कूली बच्चों को भूसे की तरह ठूंसकर स्कूल ले जाते और लाते है, जिन पर आरटीओ प्रवर्तन टीम की कोई नजर नहीं पड़ती है और कोई जिम्मेदार अधिकारी ध्यान दे रहे ना ही कभी जांचकर धरपकड़ की जाती है। जबकि बिना परमिट,फिटनेस के वाहनों के अलावा अन्य वाहनों से बच्चों को स्कूल पहुंचाना और लाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है, फिर भी आरटीओ टीम की मेहरबानी से नियमों को दरकिनार कर खुलेआम संचालन कर रहे है, जो परिवहन विभाग के लिए चुनौती हैं। इन वाहनों पर किसी प्रकार अंकुश नहीं लग रहा है। प्रतिदिन प्राइवेट वैन, बुलेरो और ऑटो रिक्शा से बच्चे स्कूल जाते दिखते। ऐसे कई प्राइवेट वाहन जयसिंहनगर, अमझोर, सीधी, बनसुकली में चल रहे हैं, जो बिना परमिट, फिटनेस टैक्स दिए स्कूली बच्चों को लेकर फर्राटा भर रहे हैं, जिनसे रोजाना दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इन वाहनों के चालक भी अनाड़ी होते हैं जो हादसों को बढ़ावा दे रहे हैं।

न्याय की आस में किसान ने भगवान कल्कि का सहारा लिया

भगवान की प्रतिमा के साथ धरने में बैठे

शहडोल। जिला प्रशासन से उठता भरोसा और न्याय की कमी के बीच एक किसान ने अनोखी पहल करते हुए भगवान कल्कि की प्रतिमा के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में धरना शुरू कर दिया है। ब्यौहारी निवासी राधा किशन सिंह ने बताया कि प्रशासनिक जनसुनवाई में बार-बार आवेदन देने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके कारण उन्होंने कलयुग के देवता पर विश्वास जताया और अब अपनी गुहार न्याय के लिए भगवान के सामने रखने का फैसला किया। राधा किशन ने कहा मैंने 1 अक्टूबर 2024 को कलेक्टर की जनसुनवाई में आवेदन दिया था, लेकिन कोई निराकरण नहीं हुआ। अब मैंने 5 अगस्त को फिर से आवेदन दिया है। जब तक मेरी समस्या का हल नहीं हुआ, तो मैं अब रोज यहां आकर धरने पर बैठूंगा। उनका यह संघर्ष तब शुरू हुआ जब उनकी पुश्तैनी जमीन पर अवैध

कब्जे और सरकारी जमीन के विवाद ने उन्हें फसल बोने से रोक दिया। जिला प्रशासन का जनसुनवाई कार्यक्रम प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई, साप्ताहिक जनसुनवाई का उद्देश्य जनमानस की समस्याओं को त्वरित राहत दिलाना था, लेकिन शहडोल जिले में यह कार्यक्रम पूरी तरह से दम तोड़ता नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन की उपेक्षा और समस्याओं का निराकरण न होने के कारण उन्हें न्याय की उम्मीद कहीं और ढूंढनी पड़ रही है। कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे राधा किशन सिंह का कहना है कि उनकी जमीन ब्यौहारी के ग्राम चंदोला में है, जो अब अवैध रूप से कब्जाई गई है। राजेंद्र पांडेय और अन्य ने मेरी जमीन पर जाने का रास्ता बंद कर दिया है। अब मैं अपने खेतों में नहीं जा पा रहा हूं। मेरे पास फसल बोने का कोई रास्ता नहीं है। जनसुनवाई में शिकायत की गई लेकिन निराकरण नहीं हुआ तो मैं अब धरने में बैठ गया हूं। राधा किशन सिंह का धरना इस बात का प्रतीक है कि जब प्रशासनिक तंत्र विफल होता है, तब आम नागरिक किस प्रकार से न्याय पाने के लिए संघर्ष करते हैं। भगवान कल्कि की प्रतिमा के साथ उनका अनशन एक नया संदेश देता है कि न्याय की आशा कभी नहीं मरती, भले ही परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में त्वरित कदम उठाता है या किसान को न्याय की तलाश में और भी आगे बढना पड़ेगा।

सोनोग्राफी कक्ष के सामने छत गिरने से मची अफरा-तफरी

मरम्मत के नाम पर कागजी खानापूर्ति

शहडोल। कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय की जर्जर हालत एक बार फिर सामने आ गई जब अस्पताल के सोनोग्राफी कक्ष के ठीक सामने छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक गिर पड़ा। गनीमत रही कि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने अस्पताल भवन की खराब स्थिति और रखरखाव में घोर लापरवाही की पोल खोल दी है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, छत पर प्लास्टर लंबे समय से जर्जर अवस्था में था और लगातार हो रही बारिश तथा सीपेज की वजह से यह हिस्सा नीचे आ गिरा। जहां हर रोज सैकड़ों मरीज और उनके परिजन इलाज के लिए आते हैं, वहां इस प्रकार की घटना गंभीर चिंता का विषय बन गई है। अस्पताल प्रबंधन से चर्चा के दौरान अस्पताल प्रबंधक पूजा सोनी ने बताया कि अस्पताल का भवन बहुत पुराना और जर्जर अवस्था में है। इसकी मरम्मत के लिए कई बार प्रस्ताव भेजे गए हैं, लेकिन उचित कार्यवाही नहीं हो पाई है। पूरा भवन कालातीत स्थिति में पहुंच चुका है, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। गौरतलब है कि जिला चिकित्सालय में हर माह रोगी कल्याण समिति के साथ-साथ सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से लाखों रुपये की राशि मरम्मत और रखरखाव के लिए स्वीकृत की जाती है। बावजूद इसके, अस्पताल परिसर की हालत बद से बदतर होती जा रही है। अस्पताल के अन्य हिस्सों की बात करें तो वार्डों में दीवारें सीलन से भर चुकी हैं, कई जगहों पर फर्श उखड़ चुका है और छतें टपक रही हैं। मरीजों के परिजन बताते हैं कि बीमार होने के बाद अस्पताल आना और यहां की स्थिति देखना खुद एक नई बीमारी को न्योता देने जैसा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि अस्पताल के नाम पर हर साल करोड़ों का बजट पास होता है, लेकिन इसका कोई हिसाब-किताब सार्वजनिक नहीं किया जाता। मरम्मत के नाम पर केवल कागजों पर खानापूर्ति होती है, जबकि धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन को एक बार फिर चेतावनी दी है कि अगर अब भी समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में यह बदइंतजामी किसी बड़ी जानलेवा दुर्घटना का कारण बन सकती है। जनता की मांग है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच हो, और मरम्मत के नाम पर किए गए खर्चों की सार्वजनिक जांच कर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाए।

हादसे में घायल बच्चे के पास बैठी रही मादा भालू, एक घंटे तक सड़क पर लगा रहा जाम, शावक ने तोड़ा दम

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चुहरी से जैतपुर जाने वाले मार्ग में एक मादा भालू ने अपने शावक के घायल होने पर सडक़ पर एक घंटे तक बैठ कर उसे अपने साथ ले जाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। तो उसने मार्ग में ही अपने दो अन्य शावकों के साथ बैठ गई, जिससे गोहपारू से जैतपुर जाने वाले मार्ग में एक घंटे तक आवा गबन बंद रहा, लोगों की सूचना के बाद मौके पर जैतपुर एवं गोहपारू वन विभाग की टीम पहुंची और मादा भालू एवं दोनों शावकों को सडक़ से भगा कर घायल शावक को अपने साथ ले गई। लेकिन गुरुवार तडक़े घायल शावक की मौत हो गई है। घटना

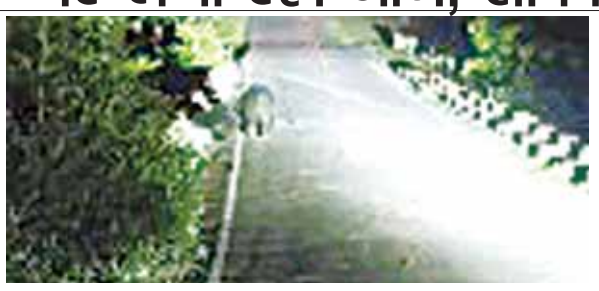

गोहपारू एवं जैतपुर वन परिक्षेत्र की सीमा पर स्थित नाले के पास बुधवार-गुरुवार की रात हुई है। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि चुहरी से जैतपुर जाने वाले मार्ग में एक मादा भालू अपने तीन शावकों के साथ सडक़ पार कर रही थी,तभी किसी अज्ञात वाहन ने एक शावक को ठोकर मार दी, जिससे एक भालू का शावक गंभीर घायल हो गया। मादा भालू के साथ तीन बच्चे थे, दो के साथ मादा भालू अपने घायल शावक को उठा कर ले जाने कोशिश कर रही थी, लेकिन वह नाकाम रही, यह कोशिश एक घंटे तक मादा भालू ने सडक़ पर बैठ कर की। सडक़ पर भालू देख लोग डर गए और वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई। सूचना के बाद जैतपुर और गोहपारू वन परिक्षेत्र के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों ओर वाहनों की आवा जाही रुकी देख उन्हें ने घायल शावक को उपचार के लिए गोहपारू लाया गया। जहां उसने आज तडक़े दम तोड़ दिया है। जैतपुर रेंजर बृजलाल प्रजाति ने बताया कि हमारी टीम मौके पर पहुंची थी, गोहपारू टीम भी मौके पर मौजूद थी, पहले तो हमने मादा भालू एवं उसके दोनों शावकों को सडक़ से हटाया और घायल शावक को उपचार के लिए गोहपारू भेजा , लेकिन उसकी मौत हो गई है। एक घंटे तक मार्ग में जाम लगा था। भालू के जाने के बाद हमने मार्ग से आवागमन शुरू कराया है।

भूत रूपी 'मन' से विजय प्राप्त करना की जीवन की जीत: आचार्य अंकित त्रिपाठी
भजन संध्या, वृहद भंडारे के साथ संपन्न हुआ श्री शिव महापुराण कथा

शहडोल।

इस चंचल मन से लडऩा इससे विजय प्राप्त करना मनुष्य के जीवन का पहला उद्देश्य होना चाहिए परमात्मा और आत्मा के बीच मिलन में मन रूपी भूत बाधक की भूमिका अदा करता है, इसलिए यदि चंचल मन को साधक साध ले तो अध्यात्म का मार्ग सहज बन सकता है, कुछ ऐसे ही मार्मिक प्रवचन आचार्य अंकित त्रिपाठी ने कहे की समस्त ब्रह्मांड शिव के अंदर विद्यमान है,श्री शिव जी बड़े दयालु कृपालु और सृष्टि के कण-कण में व्याप्त है, 29जुलाई से प्रारंभ हुए श्री शिव महापुराण कथा बीते दिनों भाव पूर्ण संपन्न हो गया, अनुष्ठान के आयोजन श्रीमती कमला घनश्याम जायसवाल की ओर से किया गया गौरतलाप है कि घनश्याम जायसवाल शहडोल नगर पालिका के अध्यक्ष हैं।

हर दिन हजारों की भीड़

सोहागपुर स्थित गढ़ी रोड कन्या स्कूल के सामने चले श्री शिव

महापुराण कथा में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही, जिसमें खासतौर से माताएं बहनों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया, साथी दूर दराज से आये लोगों ने भी शिव महिमा का अमृत पान चित्रकूट से आए कथा व्यास आचार्य अंकित त्रिपाठी जी के माध्यम से श्रवण किया, श्रावण मास में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा को लेकर लोगों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला शिव की भक्ति आराधना के लिए श्रावण मास का अपना एक अलग महत्व होता है जिस दौरान सोहागपुर गड़ी में शिव महिमा की ज्ञान गंगा में सभी श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई।

भजन संध्या एवं भव्य भंडारे के साथ समापन

6 अगस्त की सुबह 09 से समापन घड़ी में प्रारंभ हुई कथा 12 तक चली इसके बाद हवन यज्ञ तत्पश्चात भोजन भंडारा शाम तक चलता रहा, वही 08 बजे से देवी जागरण शिव महिमा भजन संध्या का शुभारंभ श्रीमती कमला घनश्याम जायसवाल नगर के प्रतिष्ठित नागरिक रविंद्र तिवारी पूर्व शासकीय अधिवक्ता संदीप तिवारी, विवेक जायसवाल ने पूजा अर्चना करके की, जिसके भजन संध्या में परोसे गए भजनों की माला ने लोगों का मन मोह लिया साथी लोगों

को ईश्वर के भाव में विभोर होकर नाचने गाने को मजबूर कर दिया।

ये भी पहुंचे कथा श्रवण करने

नव दिवसीय श्री महापुराण कथा का श्रवण करने जहाँ शहर की आम जनता पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारी विधायक समेत हर एक क्षेत्र के जानी-मानी हस्तियां कथा श्रवण करने पहुंचते रहे वही सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म में लाइफ प्रसारण के माध्यम से लाखों लोगों ने इसका आनंद लिया

एमजीएम स्कूल में रक्षाबंधन पर विशेष आयोजन, नन्हें हाथों से गूंथे गए हिंदू संस्कृति के धागे

राखी मेकिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया धर्मनिरपेक्षता का रंग

कौमी एकता और संस्कारों की पाठशाला बना एमजीएम स्कूल

धर्म से ऊपर उठकर बच्चों ने बांधा रक्षासूत्र

एमजीएम स्कूल का अनूठा सांस्कृतिक प्रयास

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एमजीएम स्कूल ने एक अद्भुत सांस्कृतिक आयोजन कर भाईचारे, एकता और भारतीय संस्कारों की मिसाल पेश की। राखी मेकिंग प्रतियोगिता में सभी धर्मों के बच्चों ने भाग लेकर यह सिद्ध कर दिया कि रिश्तों की डोर किसी जाति या मजहब की मोहताज नहीं होती। विद्यालय प्रबंधन के इस प्रयास ने न केवल रचनात्मकता को मंच दिया, बल्कि हिंदू सांस्कृतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में भी अहम भूमिका निभाई।

शहडोल।

जब धर्म और संस्कारों का अद्भुत संगम शिक्षा से होकर गुजरता है, तो परिणाम सिर्फ अंक नहीं, बल्कि समाज के निर्माण की नींव बनते हैं। कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला एमजीएम स्कूल में आयोजित राखी मेकिंग प्रतियोगिता में, जहाँ कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों ने न केवल राखियां बनाई, बल्कि एकजुटता, प्रेम और भारतीय संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत की। यह प्रतियोगिता सिर्फ एक कला प्रतियोगिता नहीं थी, बल्कि भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की समझ और धार्मिक सौहार्द का जीवंत प्रदर्शन भी था। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई धर्म के बच्चों ने मिलकर जिस सौहार्द, उत्साह और लगन के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया, वह न केवल विद्यालय के लिए गौरव की बात रही, बल्कि सामाजिक समरसता की दिशा में एक मजबूत कदम भी।

रंग-बिरंगी राखियों में छिपे भारतीय भाव

बच्चों ने कागज, मोती, रिबन, गोंद और चमकदार कारीगरी से जो राखियां बनाई, उनमें सिर्फ कला नहीं, भावनाएं भी पिरोई हुई थीं। कुछ बच्चों ने भारत माता की छवि से प्रेरित राखियां बनाई, तो कुछ ने तिरंगा और ओम जैसे हिंदू प्रतीकों को राखी में समाहित किया। यह नन्हे-मुन्ने हाथों का ऐसा सृजनात्मक प्रयास था, जिसमें संस्कृति और सौंदर्य दोनों साथ-साथ चले।

विद्यालय प्रबंधन की अभिनव पहल

एमजीएम स्कूल के प्राचार्य ने बताया कि आज के समय में जब परिवारों में रिश्तों की गरिमा कमजोर हो रही है, हम चाहते थे कि बच्चे इन मूल्यों को बचपन से समझें और उन्हें अपनाएं। इसलिए हमने रक्षाबंधन जैसे पर्व को बच्चों के माध्यम से जीवंत करने का प्रयास किया। विद्यालय प्रबंधन की यह पहल यह साबित करती है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि संस्कार देना भी है। यही कारण है कि एमजीएम स्कूल को आज सिर्फ एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि एक संस्कारशाला के रूप में देखा जा रहा है।

धर्म से ऊपर उठकर मनाया गया पर्व

सबसे खास बात यह रही कि इस प्रतियोगिता में किसी एक धर्म तक सीमित होकर राखियां नहीं बनाई गईं। मुस्लिम समुदाय से आने वाले बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक 'या अल्लाह रक्षा करो' जैसे भाव के साथ राखी बनाई, वहीं सिख और ईसाई समुदाय के बच्चों ने प्रेम, त्याग और सेवा जैसे मूल्यों को अपनी राखियों में उकेरा। यह आयोजन अपने आप में कौमी एकता की मिसाल बन गया, जहाँ बच्चों ने धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान किया। आज जब समाज में धर्म के नाम पर मतभेद बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में एमजीएम स्कूल द्वारा किया गया यह आयोजन समाज को एक नई दिशा देने वाला है।

हिंदू धार्मिक संस्कारों की पुनर्स्थापना में भूमिका

रक्षाबंधन, जो मूलतः एक हिंदू पर्व है, उसकी महत्ता को समझाने का जो प्रयास एमजीएम स्कूल ने किया, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। आजकल आधुनिकता की दौड़ में पारंपरिक पर्वों की गरिमा कहीं न कहीं फीकी पड़ती जा रही है। ऐसे में जब विद्यालय इस तरह के आयोजनों के माध्यम से बच्चों को हमारी धार्मिक परंपराओं और संस्कृति से जोड़ते हैं, तो निश्चित ही यह सामाजिक पुनर्जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होता है।

अभिभावकों ने भी की सराहना

कार्यक्रम के बाद कई अभिभावकों ने स्कूल के इस प्रयास की सराहना की। एक अभिभावक ने कहा हमारा बच्चा जब घर आया और बोला कि उसने राखी अपने मुस्लिम दोस्त के लिए बनाई है, तो हमें गर्व हुआ कि वह सच्चे अर्थों में भारत की विविधता को समझ रहा है।

संस्कारों के साथ शिक्षा का संदेश

एमजीएम स्कूल ने यह सिद्ध कर दिया कि शिक्षा अगर संस्कारों के साथ दी जाए, तो वह सिर्फ व्यक्तित्व नहीं, समाज भी गढ़ती है। इस प्रतियोगिता ने बच्चों में रचनात्मकता, सौहार्द, सहयोग, धर्मनिरपेक्षता और भारतीय संस्कृति के बीज बोए हैं, जो भविष्य में एक सुंदर समाज का स्वरूप गढ़ेंगे।

सकारात्मक दिशा देने का कार्य

रक्षाबंधन के इस अवसर पर एमजीएम स्कूल ने जो संदेश समाज को दिया है, वह आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि एक आंदोलन जैसा प्रयास है, जो बच्चों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, भाईचारे और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को जीवित रखने का सशक्त प्रयास है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और बच्चों की यह सामूहिक भागीदारी निश्चित ही आने वाले समय में समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करेगी।

कोयलारी स्कूल हादसे ने खोली शिक्षा व्यवस्था की पोल

छत से प्लास्टर नहीं, गिरी है सरकार की जिम्मेदारी

उमरिया।

जिस छत के नीचे भविष्य संवरने की उम्मीदें होती हैं, वही छत जब सिर पर गिर जाए तो समझ लीजिए कि देश का भविष्य असल में कितनी जर्जर नींव पर टिका हुआ है। जिले के करकेली विकासखंड अंतर्गत कोयलारी गांव में शासकीय प्राथमिक विद्यालय की छत का प्लास्टर गिरने से कक्षा चार में पढने वाला सात वर्षीय मासूम छात्र अंकित यादव घायल हो गया। प्लास्टर तो केवल एक सिर पर गिरा, लेकिन उसकी गूंज पूरी शिक्षा व्यवस्था के कान के परदे फाडने के लिए काफी होनी चाहिए, बशर्ते सरकार और शिक्षा विभाग कुंभकरणीय नींद में न हो।

बीजेपी सरकार की शिक्षा नीति

कोयलारी स्कूल की छत से गिरे प्लास्टर ने केवल दीवारों की दरारें नहीं दिखाई, बल्कि प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों में पसरी दरारों को भी उजागर कर दिया। जिन स्कूल भवनों में बच्चों को ज्ञान की रोशनी मिलनी चाहिए, वहीं अब बच्चों के सिर पर छत गिरने का डर मंडरा रहा है। प्रदेश की भाजपा सरकार 'डिजिटल क्लासरूम' और 'स्मार्ट स्कूल' जैसे खोखले नारों से खुद की पीठ थपथपा रही है, जबकि हकीकत यह है कि जिले भर के सैकड़ों स्कूल भवन 25 से 35 साल पुराने और पूरी तरह से जर्जर हैं। मगर अफसोस, इन जर्जर इमारतों में पढने वाले बच्चों की किस्मत बदलने के लिए किसी स्मार्ट योजना की कोई ईंट तक नहीं रखी गई।

शिक्षा विभागः निर्देश तो दिए, मगर अमल कौन करे?

हादसे के बाद जैसे-तैसे हरकत में आए जिला शिक्षा विभाग ने स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक भूपेंद्र सिंह को कारण बताओ नोटिस थमा दिया। दोषी कौन? जवाबदारी किसकी? आसान रास्ता - छोटे कर्मचारी पर ठीकरा फोड़ दो, ताकि ऊपर बैठे लोग निर्दोष बने रहें। शिक्षा विभाग ने दावा किया कि उन्होंने पहले ही निर्देश दिए थे कि जर्जर भवनों में स्कूल न चलाया जाए। सवाल यह है कि जब विभाग जानता था कि भवन खतरनाक हैं, तो अब तक उनकी मरम्मत क्यों नहीं हुई? और जब निर्देश दिए गए थे, तो उनकी पालना सुनिश्चित करने कौन गया था? क्या फाइलों में नोटिंग कर देने से बच्चों की जान सुरक्षित हो जाती है?

घायल छात्र, असहाय परिजन और बेबस व्यवस्था

हादसे के बाद घायल छात्र अंकित यादव को जिला अस्पताल लाया गया। परिजनों के अनुसार बच्चा कुछ देर तक अपने माता-पिता तक को पहचान नहीं पा रहा था। यह घटना सिर्फ एक बच्चा नहीं, एक पूरी व्यवस्था की 'मति मारी' का परिणाम है। अस्पताल में भर्ती बच्चा ठीक है या नहीं, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन क्या सरकार और शिक्षा विभाग की नैतिकता अभी भी जीवित है, यह तय करने का वक्त आ गया है।

शिक्षा नहीं, जान जोखिम में है

कोयलारी प्राथमिक शाला में 70 छात्र दर्ज हैं, लेकिन केवल दो कक्ष उपयोग लायक हैं। शेष तीन कक्षों को मौत का न्यौता मानकर बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। अब तकनीकी निरीक्षण के लिए लोक निर्माण विभाग को पत्र भेजा गया है, यानी अब एक और विभाग की नींद तोड़ी जाएगी, अगला हादसा होने तक।

जब छत गिरे, तब नजरें उठें

प्रदेश की भाजपा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में यदि बजट से ज्यादा बचत पर जोर देगी तो नतीजे ऐसे ही सामने आएंगे। मुख्यमंत्री, डिजिटल इंडिया और स्मार्ट स्कूल के नारों से अगर छतों को मजबूती मिलती, तो अंकित यादव का सिर आज सुरक्षित होता। अब वक्त आ गया है कि शासन-प्रशासन हादसे का इंतज़ार करने के बजाय, समय रहते ठोस कदम उठाए।

लाड़ली बहनों के खाते में राशि का हुआ अंतरण

एनआईसी उमरिया में देखा गया कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ से प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख 89 हजार 823 लाड़ली बहनों के खातों में 1 हजार 859 करोड़ 1 लाख 32 हजार 350 रूपये की राशि का अंतरण किए। इस बार लाड़ली बहनों को नियमित किश्त 1250 रूपये के अतिरिक्त रक्षाबंधन के शगुन के रूप में 250 रूपये भी दिये गये। इस प्रकार प्रत्येक लाड़ली बहना को रक्षाबंधन के पूर्व 1500 रूपये मिले। उमरिया जिले कि 109139 बहनों के खाते में 133107800 रूपये की राशि अंतरित हुई। इसके साथ ही 250 रूपये के मान से 109557 लाड़ली बहनो के खाते में 27389250 रूपये अंतरित हुए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता सहित लाड़ली बहनें उपस्थित रही।

आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि विगत 3 अगस्त को वन परिक्षेत्र मानपुर (बफर) अन्तर्गत मुखबिरों से प्राप्त सूचना अनुसार बीट बल्हौंड़ के बसन्तपुर टोला के 1 खेत में 1 नग जंगली सुअर के मृत होने की खबर मिलने पर मानपुर बफर की टीम द्वारा मौका स्थल की जाँच की गई जिसमें पाया गया कि जंगली सुअर को तेज धारदार हथियार से मारा गया है। परिस्थिति अनुसार तुरन्त जाँच हेतु टीम गठित कर मुखबिर सक्रिय किये गये जिसके पश्चात ग्राम बल्हौंड़ एवं टिकुरीटोला से संदिग्ध आरोपियों को अभिरक्षा में लिया गया। पूंछतांछ के दौरान आरोपीगण क्रमशः भगोले कोल पिता सिज्जू कोल उम्र 40 वर्ष साकिन बल्हौंड़, दरवारीलाल पिता फुदई कोल उम्र 32 वर्ष, श्यामलाल पिता बीरन कोल उम्र 32 वर्ष, दीनू पिता लालू कोल उम्र 30 वर्ष, छोटेलाल पिता श्यामलाल कोल उम्र 32 वर्ष, मिठाईलाल पिता गोविन्द कोल उम्र 50 वर्ष, सुनील पिता सिज्जू कोल उम्र 30 वर्ष उक्त सभी निवासी टिकुरीटोला द्वारा अपना जुर्म कबूल किया गया।

प्रकरण में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 यथा संसोधित 2022 धारा 09, 39, 51 के तहत वन अपराध प्रकरण क्र. 7651/06 दिनांक 03/08/2025 पंजीवद्ध कराकर आरोपियों को आज दिनांक 06/08/2025 को उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए मान्नीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मानपुर के समक्ष पेश किया गया है जहां से सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

13 अगस्त को पेंशन शिविर

उमरिया। *जिले में सेवा निवृत्त, दिवंगत शासकीय सेवको के पेंशन प्रकरणों का यथा समय निराकरण कर नियमित पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने हेतु जिला स्तर पर पेंशन कार्यालयो का गठन कर जिला पेंशन अधिकारियों को सौंपा गया है। मप्र सिविल सेवा के नियम अनुसार कार्यालय प्रमुखों को शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण उनकी सेवा निवृत्ति से छह माह पूर्व पेंशन संवितरण अधिकारी को प्रस्तुत करने के प्रावधान है। जिला पेंशन अधिकारी ने कहा है कि कतिपय कार्यालयों व्दारा पेंशन प्रकरण पेंशन कार्यालय में विलंब से प्रस्तुत किए जाने से उनका निराकरण एवं भुगतान यथा समय नही हो पा रहा है। शासन की मंशा है कि प्रत्येक शासकीय सेवक को सेवा निवृत्ति के पश्चात समस्त पेंशनरी स्वत्वों का यथा शीघ्र भुगतान कर दिया जाए। जिसके पालन में जिले में माह जुलाई तक लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 13 अगस्त को एक दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन किया गया है। समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी से कहा गया है कि लंबित पेंशन प्रकरण कार्यालय में प्रस्तुत कर 13 अगस्त तक शत प्रतिशत निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें।*

भालूमाड़ा काली मंदिर घोटाला, आस्था की लूट

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

भालूमाडा काली मंदिर में 18 लाख रूपये के सौदयीकरण के नाम पर हुए भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होने के बाद मंदिर परिसर में पसरा सन्नाटा किसी श्रद्धा की शांति का प्रतीक नहीं, बल्कि व्यवस्था के गहरे सड़ांध की गूंज है यह सन्नाटा उस संगठित अपराध पर डाले गए कंबल की तरह है, जिसके नीचे आस्था को जेसीबी से रौंदा गया, और ईमानदारी को सीमेंट में मिला दिया गया सबसे भयावह यह है कि इस लूट के खुलासे के बावजूद न तो एसईसीएल जमुना-कोतमा प्रबंधन की आंखें खुलीं और न ही श्रम संघों के मुंह एक ओर प्रबंधन बेशर्मी से चुप है, तो दूसरी ओर मजदूरों के तथाकथित मसीहा बने यूनियन नेता किसी बिल में घुसे बैठे हैं क्या यह चुप्पी सिर्फ डर है या साझा भागीदारी का संकेत?

यूनियनें पस्त, श्रमिक त्रस्त

जिन अधिकारियों को श्रमिकों की खून-पसीने से कमाई गई तनख्वाह मिलती है, वही आज उनकी आस्था के मंदिर में हुए भ्रष्टाचार पर आंखें मूंदे बैठे हैं सिविल विभाग के एसओ और ओवरसीयर इस घोटाले के केंद्र में हैं जिन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी कुर्सी का सौदा ठेकेदार की बोली पर कर लिया। लेकिन सबसे बड़ा धोखा वे यूनियनें दे रही हैं, जो सालों से मजदूरों से चंदे के नाम पर धन वसूलती आई हैं आज जब उनकी आस्था के प्रतीक मंदिर में लूट का घिनौना खेल खेला जा रहा है, तब ये सभी 'नेता' गूंगे दर्शक बन गए हैं क्या इन्हें अब सिर्फ बोनस और प्रमोशन की दलाली से मतलब है? क्या मजदूरों के विश्वास और उनके पैसों की बर्बादी इनके लिए कोई मुद्दा नहीं है?

घोटाला नहीं, आस्था पर सर्जिकल स्ट्राइक

इस पूरे मामले को केवल "निर्माण में गड़बड़ी" कहकर छोड़ा नहीं जा सकता कृ भालूमाड़ा काली मंदिर में 18 लाख की लागत से हुआ सौंदर्यीकरण असल में भ्रष्टाचार का खूबसूरत मुखौटा था, जिसके पीछे छिपी थी रिश्तेदारी की खुली लूट। पौधों को मिट्टी नहीं मिली, उन्हें रोपा गया ईंटों की दरारों में, पत्थरों के टुकड़ों पर, मलबे की कब्र में यह पौधरोपण नहीं, योजनाबद्ध पौधहत्या है एक ऐसी हरियाली जो सिर्फ कैमरे के फ्लैश में ज़िंदा थी और हकीकत में दम तोड़ चुकी थी छत से पानी टपका तो नई छत सुधारने की जगह पुरानी टीन ठोंक दी गई कृ यह कोई मरम्मत नहीं, भ्रष्टाचार पर मढ़ी गई टीन की चादर थी यह सब सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि आस्था पर घात, भावनाओं की कब्र और सिस्टम की खुली चीरफाड़ है जिसमें ईंट-पत्थर भी अब चिल्ला-चिल्ला कर पूछ रहे हैंः "हमें किस गुनाह की सज़ा मिली?"

अब सिर्फ जांच नहीं, जवाबदेही चाहिए

ठेकेदार का यह बयान कि "अभी तो सिर्फ 50 प्रतिशत भुगतान हुआ है," अपने आप में एक अघोषित कबूलनामा है क्या इसका अर्थ यह निकाला जाए कि अगर 100 प्रतिशत पैसा मिल जाता, तो मंदिर की नींव में रेत भर दी जाती? और जब अधिकारी यह कहते हैं कि "एस्टीमेट घर पर है," तो यह स्पष्ट होता है कि ये सिस्टम को अपनी व्यक्तिगत डायरी समझ बैठे हैं। एसईसीएल के वरिष्ठ प्रबंधन क्षेत्र के महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी के पास अब भी मौका है।

इनका कहना है

हां ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता अभियान कार्य जा रहा था लेकिन जब हमें पता चला तो हमने जाकर रोका है और उसको फटकार लगाइए और कहा है कि आप काम सही करिए तो वह मिट्टी डालकर पौधा लगा रहा है रही बात पुराने सेट की तो हम लोग एस्टीमेट में लेना भूल गए थे लेकिन उसे भी लेकर जल्द ही सुधर जाएगा।

अमित उपाध्याय, ओवरसीयर
कोतमा गोविंदा क्षेत्र

ठेकेदार जब तक पूरा सही काम नहीं करेगा तब तक उसका भुगतान नहीं किया जाएगा हमने उसे चिट्ठी जारी किया है।

पीके द्विवेदी, एसओ सिविल
एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र

———————————-

मुझे तो जानकारी भी नहीं है कि कहां पर काली मंदिर में काम हो रहा है और कौन ठेकेदार काम कर रहा है लेकिन अगर काम सही नहीं कर रहा है तो मैं स्वयं जाऊंगा और उसकी जांच करुंगा और इसकी लिखित शिकायत महाप्रबंधक से करके सही काम कराया जाएगा।

रोशन उपाध्याय महामंत्री
भारतीय मजदूर संघ बीएमएस

———————————-

यह काम बिलों में लिया गया है। बताइए कहां पर काम गड़बड़ी है तो उसे हम सुधारें।

रवि तिवारी, सिविल कांट्रेक्टर

व्यापारियों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत बुधवार की रात बनियाटोला के पास चार पहिया वाहन में सवार बदमाशों के द्वारा कोतमा नगर के व्यापारियों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि वार्ड 5 बस्ती निवासी वीरेंद्र दीवान 48 एवं व्यापारी संजीव बरसैया के द्वारा अपने गोदाम से घर की ओर जा रहे थे उसी दौरान बनिया टोला के पास इनोवा गाड़ी में सवार चार लोगों द्वारा तेज गाड़ी चलाकर कट मारते हुए निकले। दुर्घटना से बचते हुए व्यापारियों द्वारा आराम से गाड़ी चलाने की बात कही जिसके बाद इनोवा गाड़ी में सवार ए से 4 लोगों के द्वारा गाड़ी रोक कर गाली गलौज देते हुए विवाद करने लगे एवं वाहन में रखे डंडा निकाल कर मारपीट की गई। वीरेंद्र दीवान को चेहरे एवं हाथ में चोट आई है वही संजीव बरसैया भी मारपीट का शिकार हुए। घटना की रिपोर्ट थाना में किए जाने पर पुलिस ने वाहन में सवार लोगों पर मामला दर्ज करते हुए जांच की जा रही है। नगर में लगे कैमरों की मदद से वाहन क्रमांक एमपी 18 बीबी 2803 इनोवा गाड़ी के रूप मे पहचान की गई। वाहन जप्ती एवं आरोपियों की तलाश को लेकर टीम शहडोल भी गई थी।

इनका कहना है

वाहन एवं आरोपियों की पहचान हो गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम शहडोल भेजते हुए कार्यवाही की जा रही है।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी कोतमा

खबर संक्षेप

त्योहारों में कानून व्यवस्था बनाये रखने लगाई गई ड्युटी

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 10 अगस्त को कजलिया पर्व तथा 16 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाना है। त्योहारो में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार कार्यपालिक दंडाधिकारी की मजिस्ट्रीरियल ड्युटी लगाई है।

8 निजी स्कूलों की मान्यता रद्द, छात्रों का सरकारी स्कूलों में होगा प्रवेश

कटनी। जिला शिक्षा अधिकारी एसएस मरावी ने जिले में 2025-26 के लिए 8 निजी हाई स्कूलों एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों की मान्यता नवीनीकरण न होने के कारण, इन स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों को निकटवर्ती सरकारी स्कूलों में 7 दिनों के भीतर दाखिला कराने के निर्देश सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को दिये हैं। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी छात्र प्रवेश से वंचित नहीं रहना चाहिए। यदि कोई छात्र इस प्रक्रिया से छूट जाता है, तो इसके लिए संबंधित अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिन स्कूलों की मान्यता रद्द हुई है, उनमें डॉ. ए.डी. बैरागी हाई स्कूल हथियागढ़, सेंट अब्राहम पब्लिक स्कूल कटनी, सिंधी हाई स्कूल नई बस्ती, कैमोर हाई स्कूल, एसीसी हाई स्कूल कैमोर, सर्वोदय हाई स्कूल भजिया, सुकृति हाई स्कूल डोली और श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल कटनी शामिल हैं।

लापरवाह कृषि विस्तार अधिकारी निलंबित

कटनी। किसानों को यूरिया खाद वितरण के दौरान हुई अव्यवस्था के मामले में कर्तव्य में लापरवाही बरतने के मामले को गंभीरता से लेते हुये कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती सीमा चौधरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। श्रीमती सीमा चौधरी की ड्यूटी उर्वरक विक्रय केंद्र, विपणन सहकारी समिति, कृषि उपज मंडी कटनी में लगाई गई थी। मंगलवार को सुबह से ही किसान यूरिया खाद खरीदने के लिए केंद्र पर मौजूद थे। उसी समय झुकेही रैक पॉइंट से आवंटित यूरिया से भरा एक ट्रक भी केंद्र पर आया। खाद लेने हेतु किसानों द्वारा आक्रोश जताया गया। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को शांत किया गया। इस पूरी घटना के दौरान श्रीमती चौधरी उर्वरक विक्रय केंद्र पर उपस्थित नहीं थीं। कलेक्टर ने इस दौरान श्रीमती चौधरी की अनुपस्थिति को इस अव्यवस्था का मुख्य कारण मानते हुये उनके इस कृत्य को पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का उल्लंघन माना गया है, जो म.प्र. सिविल सेवा के तहत कदाचार की श्रेणी में आता है। कलेक्टर ने श्रीमती चौधरी को म.प्र. सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

हर घर तिरंगा: तिरंगा यात्रा भाजपा मंडल पूरे उल्लास के साथ मनायेगी, कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

भारतीय जनता पार्टी मंडल बुढार द्वारा हर घर तिरंगा - तिरंगा यात्रा के क्रियान्वयन हेतु बुधवार को मंडल स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में व्यापक उत्साह देखा गया।

हरिभूमि न्यूज, बुढार।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी के मुख्यातिथ तथा लोकतंत्र सेनानी व वरिष्ठ नेता कामता प्रसाद गौतम, जिला भाजपा कोषाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता, जिला भाजपा पूर्व उपाध्यक्ष दौलत मनवानी, राकेश पाण्डेय,नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, नगर परिषद पूर्व उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र ताम्रकार, पूर्व मंडल भाजपाध्यक्ष प्रेमचंद मिश्रा, भाजपा महिला नेत्री श्रीमती जूली जैन के विशिष्ट आतिथ्य एवं मंडल भाजपाध्यक्ष अर्जुन सोनी की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान के तहत बैठक आहूत की गई।

मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत माता एवं भाजपा के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथ पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी ने कहाकि - भारतीय जनता पार्टी आम जनमानस के साथ तिरंगा यात्रा तथा देश भक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों को पूरे उत्साह के साथ मनाने का स्वर्णिम अवसर हम सभी को सौपा है, जो निश्चित ही पूरे उल्लास के साथ प्रत्येक कार्यकर्ताओं द्वारा संपन्न कराया जायेगा। श्री सरावगी ने कहाकि - भाजपा देश की सबसे बड़ी संगठनात्मक पार्टी है जिसमें हम सभी मिले दायित्व का निर्वहन निष्ठा पूर्वक कर रहे हैं यह हमारे लिये सौभाग्यपूर्ण है। वरिष्ठ नेता लोकतंत्र सेनानी कामता प्रसाद गौतम ने कहाकि - भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है जिसमें सभी को सम्मान मिलता है, संगठन शिखर की ऊंचाइयों में है यह हम सभी के लिये गौरवपूर्ण हैं। जिला भाजपा कोषाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को अवगत कराया कि भाजपा उच्च संगठन द्वारा तिरंगा यात्रा को लेकर प्रत्येक मंडलों में 10 से 14 अगस्त तक आयोजन किया गया है और बुढार मंडल में पूरे भव्यता के साथ कार्यक्रम आयोजित किया जाये, जिसमें मंडल के साथ-साथ युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा भी अपनी सक्रिय भूमिका निभायें, वहीं 13 से 15 अगस्त तक सभी घरों और प्रतिष्ठानों में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा तिरंगा फहराया जाये तथा 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों पर स्वच्छता अभियान में सहभागिता निभायें और स्वतंत्रता सेनानियों व वीर सपूतों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा नमन करें। जिला भाजपा पूर्व उपाध्यक्ष दौलत मनवानी ने कहाकि - देश की एकता एवं अखंडता के प्रति हम सभी संकल्पित हैं और वीर सपूतों के त्याग व बलिदान को पुण्य स्मरण करनें स्वर्णिम अवसर भाजपा द्वारा अर्जित कराया गया है, जो निश्चित ही पार्टी के निर्देशानुसार संपादित होगा। भाजपा नेत्री एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहाकि -हर घर तिरंगा अभियान नगर तथा मंडल क्षेत्र में पूरे उत्साह के साथ सभी कार्यकर्ताओं की सहभागिता से भव्यता पूर्वक मनाया जायेगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी ने सभी का स्वागत करते हुये कहाकि -पार्टी के उच्च निर्देशन पर तिरंगा यात्रा पूरे उल्लास एवं भव्यता के साथ सभी कार्यकर्ताओं की सहभागिता से मनाये जानें निर्देशित किया गया है, जिसमें निष्ठावान कार्यकर्ता अपना अपेक्षित सहयोग संगठन को प्रदान करें। इस अवसर पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अर्जुन सोनी को वक्ताओं ने मंडल अध्यक्ष की सौंपी गई जवाबदेही के प्रति अपनी शुभकामना देते हुये संगठन कार्यों में भरपूर सहयोग प्रदत्त करने उन्हे आस्वस्त कराया। कार्यक्रम का संचालन मंडल भाजपा महामंत्री नीलेश जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंडल उपाध्यक्ष सुधाकर शर्मा ने सभी के प्रति व्यक्त किया।

तिरंगा यात्रा को लेकर आहूत बैठक में प्रकाश पाठक, अशोक सराफ, आनंद बारी (अन्नू), सच्चानंद दानवानी, सज्जन पांण्डेय नर्मदा साहू, आशु तिवारी, काजल सरावगी, नीरज शुक्ला, बाल्मीक पांण्डेय, पंकज सिंह, सुधीर गुप्ता, धर्मेंद्र जैन, विजय ताम्रकार सहित भाजपा व युवा मोर्चा के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति रही।

राखी मेला उत्सव भोपाल में जिले के उत्पादों को मिली प्रशंसा

भोपाल हाट परिसर में समूह सदस्यों ने मनाया परंपरा एवं उद्यम का त्यौहार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 5 अगस्त से 7 अगस्त तक मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन व पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में राखी मेला उत्सव का आयोजन भोपाल हाट परिसर में किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश में स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न आजीविका उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें अनूपपुर, भोपाल, रायसेन, छिंदवाड़ा, सीधी, रीवा, बुरहानपुर, बैतूल एवं अन्य जिले शामिल थे। इस तीन दिवसीय आयोजन का शुभारंभ मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्रीमती हर्षिता सिंह एवं आजीविका मिशन व पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। प्रदर्शनी में अनूपपुर जिला अंतर्गत स्व सहायता समूहों द्वारा एक जिला एक उत्पाद अंतर्गत कोदो मिलेट एवं कोदो कुकीज, कोदो नमकीन एवं गोंडी पेंटिंग के स्टाल आकर्षण का केंद्र रहे। आगंतुकों ने उक्त स्टाल का अवलोकन कर प्रदर्शित उत्पादों की प्रशंसा की एवं खरीददारी भी की। आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह ने बताया कि कलेक्टर हर्षल पंचोली के नेतृत्व में स्व सहायता समूहों के आर्थिक स्वावलंबन हेतु सतत रुप से प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके परिणामस्वरूप जिले के समूहों द्वारा विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। राखी मेला के माध्यम से जिले के स्व सहायता समूह सदस्यों को स्वरोजगार एवं आजीविका उत्पादों के लिए बेहतर मार्केटिंग के अवसर प्राप्त हुए है। उक्त तीन दिवसीय मेले में जिले से दीपक मोदनवाल के नेतृत्व में जीवनदायिनी संकुल संगठन से श्रीमती उर्मिला परस्ते एवं श्रीमती प्रमिला सिंह व गोंडी चित्रकला स्व सहायता समूह से श्रीमती रीता श्याम व मिशन टीम से संजय बिस्वास ने प्रतिभाग किया।

सड़क, नाली निर्माण से कीचड़ दल-दल से जाने को विवश हैं छात्र, ग्राम जोरा के पंचायत की उदासीनता है वजह

शहडोल।

जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत जोरा के सरपंच सचिव के द्वारा पीसीसी रोड का निर्माण कार्य वार्ड क्रमांक 5 में किया जा रहा है।

दुर्गा मंदिर से लेकर आधे रोड तक नाली का निर्माण किया गया बाकी अधूरा कार्य पड़ा है सही ढंग से नाली ना होने के कारण पानी का भराव पुरे मोहल्ले में बहता है जिससे ग्राम वासियों के घर में घुस रहा है पानी पानी के साथ में कीड़े मकोड़े सर्प घर के अंदर प्रवेश हो रहे हैं मोहल्ला वासी हो रहे परेशान ग्राम पंचायत जोरा के सरपंच सचिव के द्वारा किये गये कार्य की जांच कराने की ग्रामवासियों ने मांग की है।

सरपंच सचिव के द्वारा 10 दिन में पुरे कार्य कराने का अश्वासन दे कर 108 में की गई शिकायत कटा दिया रोड उतना का उतना बनी है दूसरे तरफ नाली ना होने से रोड के किनारे मोहल्ले में बन रहा कीचड़ पानी के भराव से मच्छी मच्छर आदि उत्पन्न हो रहे हैं वार्ड के मोहल्ले वासी हो रहे परेशान आंगनबाड़ी से लेकर कक्षा 8 तक की स्कूल इसी वार्ड में है मोहल्ले के छोटे-छोटे बच्चे आंगनवाड़ी स्कूल पढ़ने जाते हैं रोड के ऊपर ढाई फुट पानी भरा रहता है किनारे कीचड़ बना हुआ है नाली के किनारे पानी का भराव है वहां समझ में नहीं आता की नली बच्चों को आने-जाने में मोहल्ला वासियों का कहना है की नली का निर्माण जल्द से जल्द सही तरीके से कराई जाए जिससे कि कीचड़ मच्छी मच्छर पानी का भराव ना हो स्कूली बच्चों का आना-जाना बना रहे मोहल्ले वासी कलेक्टर से मांग करते हुए जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

त्योहारों को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

आगामी दिनों में पडने वाले त्योहार रक्षाबंधन, काजलिया, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी एवं ईद मिलादुन्नबी को शांति एवं सौहार्द पूर्वक मनाए जाने को लेकर बुधवार को देर शाम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एसडीम अजीत तिर्की, एसडीओपी आरती शाक्य, थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल की उपस्थिति मे त्योहारों को शांति, सदभाव एवं भाईचारे के साथ मनाए जाने को लेकर नागरिकों द्वारा अपने-अपने विचार रखे गए। एसडीम अजीत तिर्की ने बताया कि त्योहारों को लेकर प्रशासन द्वारा पुख्ता व्यवस्थाएं बनाई जाएंगी जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत विभाग के द्वारा अनावश्यक बिजली नहीं बंद करना, मूर्ति विसर्जन के दौरान कुंड स्थल के आस पास पुलिस की ड्यूटी लगाई जायेगी साथ ही नगर पालिका के द्वारा मुख्य मार्ग में सड़क पर फैले अतिक्रमण एवं आवारा मवेशियों पर कार्यवाही की जाएगी। त्योहारों में पंडाल लगाए जाने पर समिति द्वारा कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें, डीजे प्रतिबंधित है रात 10 बजे तक ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग सुनिश्चित किया गया है, पंडालों मे ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के लिए अनुमति लेने के पश्चात ही उपयोग किया जाये। गणेश जी की मूर्ति पूरी तरह मिट्टी से बनी प्राकृतिक होनी चाहिए जो पानी मे विसर्जन पश्चात घुल जाए। हरितालिका तीज में रात भर महिलाएं मंदिरों एवं घरों मे पूजा के साथ नगर के मंदिरों में दर्शन हेतु जाती हैं जिस कारण सुरक्षा व्यवस्था बनाई जाएगी। गणेश चतुर्थी में बीच सड़क पर पंडाल ना लगाए जाएं इसका विशेष ध्यान रखा जाए। व्यापारियों द्वारा दुकान एवं वाहन बीच सड़क पर ना लगाने सहित त्यौहार को लेकर चर्चा की गई। थाना प्रभारी के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के लेकर लोगों को आस्वस्त किया गया साथ ही किसी भी प्रकार की कोई घटना या विवाद की स्थिति निर्मित होने पर तत्काल थाना कोतमा एवं पुलिस को सूचना देने की अपील की गई साथ ही पंडालों एवं मूर्ति विसर्जन के दौरान अश्लील एवं फूहड गानों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा धार्मिक गाने बजाने के साथ ही डी जे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग अनुमति लेने के पश्चात ही बजाते जाने की अपील की है। रक्षाबंधन त्योहार को देखते हुए दो पहिया वाहन में तीन सवारी न बैठाने एवं हेलमेट का उपयोग करते हुए दो पहिया वाहन चलाने के लिए कहा गया है। सभी लोगों के द्वारा प्रशासन के सहयोग के साथ त्यौहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाए जाने की बात कही गई।

नाबालिग को बंधक बनाकर शारीरिक शोषण का आरोपी पुलिस गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज कोतमा

14 वर्षीय किशोरी के साथ बंधक बनाकर शारीरिक शोषण किए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। शारीरिक शोषण करने वाले 21 वर्षीय आरोपी के खिलाफ धारा 127 (1)64, 65 351 (3) बीनएस एवं 3, 4 पास्को एक्ट में मामला दर्ज करते हुए आरोपी को न्यायालय पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। बताया जाता है कि आरोपी के द्वारा रास्ते से रोकते हुए घर में बंधक बनाकर रात भर दुष्कर्म किया गया

प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों के निरीक्षण हेतु अधिकारियों की लगाई गई ड्युटी

उमरिया।

जिले में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयो में शासन के दिशा निर्देश के अनुरूप विद्यालयो की स्थिति एवं शिक्षण कार्य व्यवस्था सुचारू रूप से शासन की मंशानुसार संचालित हो, इसके लिए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने विद्यालयो के निरीक्षण के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों की ड्युटी लगाई है।उन्होने कहा है कि सभी अधिकारी प्रतिमाह निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं ।

जीवन कौशल सत्रों को सशक्त करने शिक्षकों का रिफ्रेशर ट्रेनिंग संपन्न

हरिभूमि न्यूज राजेन्दग्राम।

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ ब्लॉक जनपद शिक्षा केंद्र पुष्पराजगढ़ एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजेन्द्रग्राम में दिनाक 04 अगस्त 2025 से 06 अगस्त 2025 तक सभी माध्यमिक विद्यालय से 2 शिक्षकों का एक दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग आयोजित किया गया। सक्षम जीवन कौशल शिक्षक प्रशिक्षण में शिक्षकों ने भाग लिया। जिसमें मास्टर ट्रेनर शैलेन्द्र पाटिल, प्रफुल्ल सिंह एवं सुरेश प्रसाद गुप्ता और ब्लॉक मैनेजर आशीष मिश्रा ने जीवन कौशल शिक्षा के महत्व और प्रशिक्षण के उद्देश्य पर चर्चा की। जिसका उद्देश्य शिक्षकों को सक्षम कार्यक्रम की मूल अवधारणाओं मॉड्यूल, सत्र संरचना और इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सशक्त करना था। 'जीवन कौशल मॉड्यूल पर हुई चर्चा जिसमें मास्टर ट्रेनर के द्वारा डेमो सत्र आयोजित कर वास्तविक शिक्षण विधियों का प्रदर्शन किया गया। जेंडर ट्रांसफॉर्मेटिव दृष्टिकोण पर विचार विमर्श किया गया और इसे शिक्षण में एकीकृत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाले गतिविधियों में चर्चा की गई, जिसमें मेरी सीख दीवार, स्टडी कॉर्नर, वॉल पेंटिंग, बीएमएस, चाइल्ड कैबिनेट एवं सीएमसी की भूमिका उत्तरदायित्व पर बातचीत की गई। सेशन रिपोर्टिंग एलएमएस प्रणाली पर जानकारी साझा की गई और एम आई एस प्लेटफार्म के उपयोग पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। चाइल्ड प्रोटेक्शन एवं सेफगार्डिंग पर विशेष बात की गई, जिसमें बच्चों की सुरक्षा व बाल संरक्षण नीतियों और शिक्षक की भूमिका पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी सतीश तिवारी की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में जीवन कौशल सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय रिफ्रेशर शिक्षक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर सतीश तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि '"हर इंसान के भीतर कौशल का होना उतना ही आवश्यक है, जितना कि शिक्षा का। जीवन कौशल के माध्यम से ही हम अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना कर पाते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान अपने सभी शंकाओं का समाधान करें और जीवन कौशल की शिक्षा को प्रभावी रूप से बच्चों तक पहुँचाए। राज्य स्तरीय ट्रेनिंग मैनेजर संजय गौतम के द्वारा द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम पर चर्चा किया गया। एवं सक्षम कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक अविनाश वर्मा ब्लॉक प्रबंधक आशीष मिश्रा के द्वारा प्रशिक्षण के सफल संचालन में सहयोग दिया गया।

वी क्लब का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

द एसोसिएट आंफ वी क्लब आंफ इंडिया डिस्ट्रिक्ट 323-ह3 अपराजिता के अंतर्गत वी क्लब निःस्वार्थ कोतमा के शपथ ग्रहण एरिया आफिसर वी रचना जैन द्वारा सम्पन्न कराया गया। जिसमें विशिष्ट वी पम्मी अरोरा एवं मुख्य अतिथि अतिथि वी शिल्पा जैन ने सभी को सेवा कार्यों की शपथ दिलाई। वी क्लब कोतमा निःस्वार्थ विगत पांच वर्षों से कोतमा की सभी सेवा गतिविधियों मे सक्रिय हैं। समाज सेवा में अग्रणी वी क्लब कोतमा निःस्वार्थ मे सभी महिलाएं क्लब की सभी सदस्य समान रूप से सक्रिय सेवा कार्यों के लिए समर्पित रहती है। वी रचना जैन ने बताया कि उन्होंने डिस्ट्रिक्ट के महत्वपूर्ण पद एरिया आफिसर के पद पर रहकर अपने होम क्लब का शपथ ग्रहण कराया। वी पम्मी अरोरा एवं वी शिल्पा जैन ने सभी पीयसटी एम चेयरपर्सन व कार्यकारिणी को पिन व डायरेक्टरी भेंटकर कार्यक्रम को सफल बनाया। वी क्लब निःस्वार्थ अध्यक्ष वी मोहिनी वर्मा, सचिव डा संगीता प्रजापति कोषाध्यक्ष बबीता गुप्ता माइक्रो चेयरपर्सन वैशाली ताम्रकार किरन गोयनका रमा सोनी सहित टीम को शपथ दिलाई। चेयरपर्सन वी शिल्पा जैन अंजू गुप्ता बबीता गुप्ता के साथ सभी वी क्लब के उपस्थित सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। नव निर्वाचित अध्यक्ष वी मोहिनी वर्मा ने सभी के सहयोग से सेवा कार्यो का आह्वान किया।

इस समय राखी बांधने से मिलेगा दोगुना फल

रक्षा बंधन पर 95 साल बाद बन रहा दुर्लभ महासंयोग

रक्षा बंधन के दिन सौभाग्य योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक को अक्षय फल मिलेगा। साथ ही घर में सुख समृद्धि एवं खुशहाली आएगी। इस साल राखी के त्योहार पर भद्रा का साया नहीं रहेगा। यह संयोग साल 1930 समान है। दिन, नक्षत्र, पूर्णिमा संयोग, राखी बांधने का समय लगभग समान है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने और राखी बांधने से दोगुना फल मिलेगा।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

हर साल सावन पूर्णिमा के दिन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व राखी या रक्षा बंधन मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में साधक गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान कर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। वहीं, पूजा के बाद बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। वहीं, भाई अपनी बहनों को गिफ्ट देते हैं। साथ ही सुख और दुख में साथ देने का वचन देते हैं। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। ज्योतिषियों की मानें तो दशकों बाद इस रक्षा बंधन पर दुर्लभ महासंयोग बन रहा है। यह संयोग साल 1930 समान है। आसान शब्दों में कहें तो दिन, नक्षत्र, पूर्णिमा संयोग, राखी बांधने का समय लगभग समान है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने और राखी बांधने से दोगुना फल मिलेगा।

रक्षा बंधन शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 08 अगस्त को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट पर सावन महीने की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत होगी, वहीं 09 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 24 मिनट पर पूर्णिमा तिथि समाप्त होगी। हालांकि, 08 अगस्त को भद्रा दोपहर 02 बजकर 12 मिनट से 09 अगस्त को देर रात 01 बजकर 52 मिनट तक है। इसके लिए 08 अगस्त के बदले 09 अगस्त को राखी का त्योहार मनाया जाएगा। भद्रा के धरती पर रहने के दौरान शुभ काम नहीं किया जाता है। इसके लिए भद्रा का साया रहने पर रक्षा बंधन का त्योहार अगले दिन मनाया जाता है। 09 अगस्त को राखी बांधने का सही समय सुबह 05 बजकर 21 मिनट से लेकर दोपहर 01 बजकर 24 मिनट तक है। इस समय तक बहनें अपने भाई को राखी बांध सकती हैं। इसके बाद भाद्रपद महीने की शुरुआत होगी।

रक्षा बंधन पर शुभ योग

रक्षा बंधन के दिन सौभाग्य योग का संयोग बन रहा है। सौभाग्य योग का समापन 10 अगस्त को देर रात 02 बजकर 15 मिनट पर होगा। इसके बाद शोभन योग का निर्माण होगा। वहीं, सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग सुबह 05 बजकर 47 मिनट से लेकर दोपहर 02 बजकर 23 मिनट तक है। इसके साथ ही श्रवण नक्षत्र दोपहर 02 बजकर 23 मिनट तक है। जबकि करण, बव और बालव हैं। इन योग में राखी का त्योहार मनाया जाएगा।

साल 1930 का पंचांग

वैदिक पंचांग गणना के अनुसार, साल 1930 में शनिवार 09 अगस्त के दिन राखी का त्योहार मनाया गया था। इस दिन पूर्णिमा का संयोग शाम 04 बजकर 27 मिनट तक था। वहीं, पूर्णिमा तिथि की शुरुआत दोपहर 02 बजकर 07 मिनट पर शुरु हुआ था। इस प्रकार महज 5 मिनट का अंतर पूर्णिमा तिथि में है। सौभाग्य योग का संयोग 10 अगस्त को सुबह 05 बजकर 21 मिनट पर हुआ था। श्रवण नक्षत्र शाम 04 बजकर 41 मिनट तक था। वहीं, बव और बालव करण के संयोग थे। कुल मिलाकर कहें तो 95 साल बाद राखी का त्योहार समान दिन एवं समय, नक्षत्र और योग में मनाया जाएगा।

बाजारों में पूरे दिन दिखी चहल-पहल

रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए हर जगह तैयारियां की जा रही हैं। लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। रक्षाबंधन के 1 दिन पूर्व मंगलवार को पूरे दिन बाजारों में चहल पहल देखने को मिली। भीड़ के चलते दिन भर बाजार में जाम के हालात बने रहे। इस दौरान महिलाओं ने भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए राखियां खरीदीं। रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने के लिए गुरूवार को पूरे दिन बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। हर दुकान पर खरीददारों की भीड़ नजर आ रही थी। सर्वाधिक भीड़ राखियों और मिठाइयों की दुकान पर देखी गई। राखियां पसंद करने के लिए दुकानों पर युवतियों और महिलाओं की भीड़ लगी रही। रेडीमेड वस्त्र विक्रेताओं को भी दिन भर ग्राहकों से फुर्सत नहीं मिली। मिठाइयों की दुकानों पर तो मेले जैसा नजारा देखने को मिला।

खूब बिका श्रृंगार का सामान

रक्षाबंधन के मौके पर चूड़ियों और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर महिलाओं और युवतियों की खासी भीड़ रही। महिलाओं में हरी-हरी चूड़ियां पहनने का जबरदस्त क्रेज दिखा। पूरे दिन आलम यह रहा कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। रक्षाबंधन पर नई चूड़ियां पहनने की पुरानी परंपरा है। महिलाओं और युवतियों ने मेहंदी एवं सौंदर्य प्रसाधन की जमकर खरीदारी की। नगर में करीब आधा दर्जन चूड़ी की दुकानों पर सुबह से देरशाम तक भीड़ नजर आई। चूड़ी पहने आई महिलाओं का कहना था कि रक्षाबंधन से पूर्व हाथों में नई चूड़ियां होनी ही चाहिए। अन्य खर्चों में तो कटौती की जा सकती है, लेकिन चूड़ियां पहनने में नहीं।

ट्रेन बसों में रही भीड़

रक्षाबंधन के 1 दिन पूर्व गुरूवार को बहने अपने भाइयों के पास पहुंचने के लिए किसी भी साधन से जाने के लिए उतावली थी। बस स्टैंड रेलवे स्टेशन में आलम यह था कि इतनी भीड़ थी कि लोग खड़े खड़े ही बसों एवं ट्रेनों से सफर करते नजर आए वही बस स्टैंड में बहनों एवं महिलाओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। यही हाल रेलवे स्टेशन में भी था जहां बहने अपने भाइयों के पास पहुंचने के लिए ट्रेन आने का इंतजार करती नजर आई।

त्यौहार को लेकर पुलिस सजग

रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान ने सभी थानों को एलर्ट रहने के निर्देश दिये हैं। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए जगह-जगह पुलिस के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है मोबाइल टीम भी बनाई गई है। लोगों की भीड़भाड़ को देखते हुए बाजार के अंदर बड़े एवं चार पहिया वाहन प्रवेश न कर पाए इसके लिए जगह जगह बैरीकेट्स लगवाए जाएंगे। उन्होंने आम नागरिकों से भी त्यौहार को शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने के लिए पुलिस का सहयोग करने की अपील की है।

सावित्री सरोवर डेम में युवक का शव मिलने से सनसनी

मंगलवार से लापता युवक मानसिक रूप से था अस्वस्थ

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक

सोनमुड़ा रोड पर स्थित सावित्री सरोवर डेम में गुरुवार सुबह एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को सरोवर से बाहर निकालकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपनिरीक्षक पी.एस. बघेल ने बताया कि मृतक की पहचान लव कोहली (27 वर्ष), पिता स्वर्गीय आंचल कोहली, निवासी लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। युवक अमरकंटक के बाराती वार्ड क्रमांक 4 में अपने चाचा अभिलाष कोहली, जो नर्मदा मंदिर के समीप पूजा-पाठ का कार्य करते हैं, के साथ निवासरत था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लव कोहली बचपन से मानसिक रूप से अस्वस्थ था, किंतु विगत कुछ दिनों से उसकी मानसिक स्थिति में सुधार देखा गया था। इसी आधार पर परिजनों ने उसे बाहर जाने की अनुमति दी थी। बताया गया कि वह मंगलवार से लापता था। गुरुवार सुबह शव मिलने के बाद परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की तथा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है, ताकि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि युवक की मृत्यु दुर्घटनावश हुई, आत्महत्या का मामला है, अथवा इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

जल्द ही नए भवन में शिफ्ट होगा आदिवासी छात्रावास

कलेक्टर हर्षल पंचोली की तत्परता बनी मिसाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

पत्रकारिता के प्रभाव और प्रशासन की सक्रियता का एक उत्कृष्ट उदाहरण राजनगर में देखने को मिला, जहां कई महीनो से अधर में लटका हुआ शासकीय आदिवासी छात्रावास अब अपने नए भवन में स्थानांतरित होने जा रहा है। यह संभव हो सका अनूपपुर जिले के कलेक्टर हर्षल पंचोली की तत्परता और संवेदनशील निर्णय के चलते। नगर परिषद राजनगर के अंतर्गत बना यह छात्रावास भवन निर्माण के कई महीनो बाद भी उपयोग में नहीं आ सका था। कारण था विद्युत विभाग का 2 लाख का बकाया बिल। यह बिल उस दौरान का था। जब भवन निर्माण का कार्य एक ठेकेदार के माध्यम से किया जा रहा था, और छात्रावास के नाम पर बिजली कनेक्शन लेकर ठेकेदार ने बिजली उपयोग की थी। इस बिल का भुगतान ना होने के कारण हैंडओवर नहीं हो पाया और छात्रावास चालू नहीं हो सका। छात्रावास अधीक्षक ने इस मामले की कई बार उच्च अधिकारियों से लिखित शिकायत की, लेकिन समाधान नहीं निकला। इसके बाद इस समस्या को मीडिया के माध्यम से प्रमुखता से उठाया गया। खबर प्रकाशित होने के कुछ ही दिनों के भीतर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल संज्ञान लेते हुए सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग, वार्डन अधीक्षक, प्राचार्य एवं निर्माण शाखा के इंजीनियरों की संयुक्त बैठक बुलाई। बैठक में उन्होंने संपूर्ण स्थिति की जानकारी लेकर समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया।

जल्द ही छात्रावास होगा नए भवन में शिफ्ट

कलेक्टर श्री पंचोली के निर्देशन के बाद निर्णय लिया गया कि जल्द से जल्द छात्रावास को पुराने जर्जर भवन से हटाकर नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा। यह नया भवन विद्यालय से मात्र 20 से 30 मीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे छात्रों को अब 3 किलोमीटर पैदल सफर तय नहीं करना पड़ेगा। बारिश और दुर्गम रास्ते की समस्या से भी उन्हें छुटकारा मिलेगा। इस कार्यवाही से एक ओर जहां छात्रावास के बच्चे और उनके माता-पिता में खुशी की लहर दौड़ गई, वहीं प्रशासनिक संवेदनशीलता का यह उदाहरण पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत बना। कलेक्टर की सक्रियता और समस्या समाधान की प्रतिबद्धता ने उन्हें लोगों के बीच "जन-हित के नायक" के रूप में स्थापित कर दिया है।

जिला जेल के बंदियों को बहनें बांध सकेंगी राखी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला जेल अनूपपुर में 09 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर भाई-बहनों के खुली मुलाकात हेतु दिशानिर्देश जारी किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला जेल के उप जेल अधीक्षक श्री इन्द्रदेव तिवारी ने बताया है कि जिला जेल में मुलाकात हेतु परिजनों के नाम प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक लिखे जाएंगे, इसके पश्चात मुलाकात हेतु अनुरोध स्वीकार नही किया जाएगा। उन्होंने मुलाकात हेतु आई बहनों से अनुरोध किया है कि जेल की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कोई भी प्रतिबंधित सामग्री जैसे रुपये पैसे, मोबाईल, कोई भी मादक पदार्थ आदि लेकर न आएं। किसी भी प्रकार की बाहरी सामग्री के साथ प्रवेश नही दिया जाएगा। केवल जेल केंटीन से राखी, मिठाई 250 ग्राम, कुमकुम, फल एवं रुमाल ही स्वीकार की जाएगी, जो जेल केंटीन से निर्धारित राशि भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने मुलाकात हेतु आई बहनों से अनुरोध की है कि मुलाकात में सहयोग प्रदान करें एवं किसी भी प्रकार से अव्यवस्था उत्पन्न न करें, अन्यथा संबंधित को मुलाकात से वंचित होना पड़ेगा।

मृतक अज्ञात युवक की नहीं हुई पहचान

पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

तीन दिन पूर्व नगर के स्मार्ट सिटी के पास मिले अज्ञात युवक की बीमारी के कारण मृत्यु होने पर पुलिस के द्वारा विभिन्न माध्यमों से पहचान किए जाने का प्रयास किए जाने के बाद भी मृतक की पहचान ना होने पर पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सोननदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम में अज्ञात युवक के शव को दफनाकर अंतिम संस्कार किया। एक माह के मध्य यह दूसरे अज्ञात युवक की पहचान नहीं हो सकी। इस संबंध में बताया गया कि अनूपपुर नगर के वार्ड क्रमांक 12 में स्थित स्मार्ट सिटी के पास 4 अगस्त सोमवार के दिन 40 से 45 वर्ष के अज्ञात युवक के पड़े होने की सूचना कोतवाली पुलिस को मिलने पर पुलिस के द्वारा बीमारी से मृत अज्ञात युवक के शव को जिला अस्पताल के पी,एम,वार्ड के शव फ्रीजर में सुरक्षित रखकर विगत तीन दिनों से पुलिस के द्वारा विभिन्न माध्यमों से अज्ञात युवक के पहचान का प्रयास किया किंतु पहचान ना होने पर गुरुवार की दोपहर युवक के शव का पी,एम,कराने बाद जिला अस्पताल चौकी प्रभारी प्रधान आरक्षक मंसाराम सिंह मार्को, जिला मुख्यालय के सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल, गोपाल राठौर, मूलचंद सिंह, आनंद कुमार, गणेश एवं अन्य लोगों की उपस्थिति में नगरपालिका के जेसीबी मशीन से गड्ढा खोदकर दफनाकर अंतिम संस्कार करते हुए मृतक के शव को कफन, फूल, अगरबत्ती अर्पित कर ईश्वर से मृत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना कर की गई। विदित है कि एक माह में यह दूसरे अज्ञात युवक की मृत्यु होने पर पहचान ना होने से दफनाकर अंतिम संस्कार की कार्यवाही पुलिस एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा की गई।

गायत्री परिवार का जिला स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। गायत्री चेतना केंद्र अनूपपुर में अखिल विश्व गायत्री परिवार का एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। इसमें जिले के सभी तहसीलों के लगभग दो सौ गायत्री परिवार के सक्रिय एवं अन्य समाजसेवी कार्यकर्ता उपस्थित रहे प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आगामी वर्ष 2026 में अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं.श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा प्रज्वलित दिव्य अखण्ड ज्योति एवं उनके सहधर्मिणी परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के 100 (सौ) वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी को लेकर रहा शान्तिकुंज हरिद्वार प्रतिनिधि प्रभाकान्त तिवारी ने शताब्दी वर्ष क्यों और कैसे मनाएं आदि विषयों पर रुपरेखा एवं कार्ययोजना पर सारगर्भित उद्बोधन देते हुए वर्ष 2026 से 2030 तक लगातार शताब्दी वर्ष मनाने का संदेश दिया जिसमें शान्तिकुन्ज हरिद्वार में राष्ट्र स्तरीय 21 से 23 जनवरी 2026 में होने वाले विशिष्ट कार्यकर्ता चिंतन शिविर तथा नवम्बर 2026 में दस लाख से अधिक कार्यकर्ताओं का युग निर्माण विस्तार हेतु विश्व स्तरीय कार्यकर्ता शिविर संपन्न होगा। इसी प्रकार महेश राठौर शान्तिकुन्ज प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के जन्मस्थली आगरा (उ.प्र.) में भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण हेतु भव्य स्मारक बनाया जा रहा है जिसका निर्माण हेतु समयदान-अंशदान का संकल्प पत्रक भराया गया। प्रशिक्षण दौरान समाज में श्रेष्ठ कार्य तथा मातृसत्ता ज्योति कलश रथयात्रा में समयदान करने वाले स्वयंसेवी भाई-बहनों एवं स्थानीय पत्रकार गुलाब रजक व बंधुओं का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही गायत्री शक्तिपीठ उपजोन अमरकंटक के समन्वयक के एन. योगी द्वारा उपजोन क्षेत्रांतर्गत वर्ष 2025-26 में नारी जागरण के क्षेत्र में कार्य करने का लक्ष्य बताया गया। तथा उपजोन सह समन्वयक जे. पी. सिंह द्वारा उपस्थित बहनों को नारी जागरण समन्वयक के रुप में श्रीमती गुड़िया चौहान, श्रीमती इन्दिरावती-कोतमा, श्रीमती ममता सोनी, श्रीमती बेला राठौर, श्रीमती गोमती देवी-जैतहरी तथा श्रीमती कल्पना सोनी, श्रीमती शांति देवी अनूपपुर के लिए नियुक्त किया गया। जिला समन्वयक संतोष सोनी द्वारा मातृसत्ता अखण्ड ज्योति कलश रथयात्रा के दौरान हुए मार्मिक घटनाओं और अनुभूतियों को उपस्थित लोगों को अवगत कराया। जिला -अनूपपुर में जिला स्तरीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण की मुख्य प्रभारी संतोष सोनी-जिला समन्वयक के सुन्दर संचालन ललन राठौर पूर्व जिला समन्वयक के कुशल मार्गदर्शन तथा अनूपपुर-जैतहरी-कोतमा-राजेन्द्रग्राम के तहसील समन्वयक बाबूलाल वर्मा, संतोष राठौर, विजय जायसवाल, लक्ष्मण जायसवाल के प्रमुख उपस्थित और विजय सोनी एवं वृन्दावन पटेल-मुख्य ट्रस्टी के व्यवस्थापन में शिविर संपन्न हुआ।

आम सूचना

मैं लक्ष्मी नारायण जायसवाल आयु 68 वर्ष पिता स्व. राधेश्याम जायसवाल निवासी वार्ड नं. 01 दफाईटोला, कोतमा, थाना व तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर (म.प्र.) का निवासी हूँ एवं एतद् द्वारा आम जनता को जरिये इश्तहार सूचित कर रहा हूँ कि मेरी पत्नी श्रीमती अचला जायसवाल एवं पुत्र प्रफुल्ल जायसवाल के द्वारा मेरे साथ अमानवीय व्यवहार घर किया जाता है और शारीरिक व मानसिक रूप से आये दिन प्रताड़ित किया जाता है, मै उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह तथा जोड़ों की बीमारी से पीड़ित हूँ और मेरा रायपुर से ईलाज चल रहा है, मेरी पत्नी व पुत्र के द्वारा मेरी समस्त चल एवं अचल संपत्ति को अपने नाम हस्तांतरण करने के लिये विगत 06-07 वर्षो से दबाव बनाया जा रहा है किन्तु इसी दबाव के कारण मेरे साथ मेरी पत्नी अचला जायसवाल के द्वारा अपशब्दो का प्रयोग किया जाता है तथा इसके पूर्व मेरी माता रानी देवी जायसवाल जब जीवित थी और मेरे घर मे मेरे साथ रहती थी और जब मै ड्यूटी चला जाता था एवं मेरे न रहने पर मेरी मां रानी देवी को मेरी पत्नी अचला जायसवाल द्वारा शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था और मेरी मां रानी देवी को अचला जायसवाल द्वारा इस कदर प्रताड़ित किया गया कि वह थक हारकर व मुझे छोड़कर अपने मायके कानपुर (उ.प्र.) चली गई थी और वही उसकी मृत्यु हो गई थी, माता रानी देवी की मृत्यु के पश्चात मेरी पत्नी अचला जायसवाल द्वारा मेरी समस्त चल व अचल संपत्ति को मुझसे अपने नाम करवाने के लिये ऐन-केन-प्रकरेण ढंग से सही व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगी और रिश्तेदारो के समक्ष भी झूठी व बनावटी मनगढंत बातो को बताकर मुझे अपमानित किया जाता है और मुझे कई प्रकार से शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है मै अपनी पत्नी अचला जायसवाल एवं पुत्र प्रफुल्ल जायसवाल के व्यवहार से काफी दुखी एवं व्यथित हूँ एवं अचला जायसवाल व प्रफुल्ल जायसवाल द्वारा मेरे मौलिक अधिकारों का हनन किया जाने लगा तथा मेरे बाहर जरूरी काम से आने-जाने एवं अन्य दैनिक रोजमर्रा के कार्य मे हस्तक्षेप किया जाने लगा । यह कि मेरे द्वारा अपने ग्राम दफाईटोला वार्ड नं. 01 कोतमा, मे निर्मित मकान में किराये के कई कमरे बनाये गये है जिनका किराया भी मेरी पत्नी व पुत्र लेते है, इसी प्रकार वार्ड नं. 08 मे एक कच्चा मकान निर्मित है और वार्ड नं. 02 देवीजी रोड मे मेरे स्वामित्व की शटरयुक्त दुकान निर्मित है जिस पर मेरे द्वारा अपने पुत्र प्रफुल्ल जायसवाल को वर्ष 2017 मे काफी आर्थिक सहयोग करके इलेक्ट्रानिक की दुकान खुलवाई गई थी, मेरे द्वारा समस्त अचल संपत्ति का टैक्स, भवन कर, नल कर, विद्युत कर एवं अन्य कर अदा किये जा रहे है फिर भी उक्त लोगो के द्वारा आये दिन मेरे साथ चल-अचल संपत्ति को लेकर वाद-विवाद किया जाता है जिसके कारण मै विगत चार वर्षो से बाहर होटलो मे भोजन करता हूँ तथा सुबह 7:00 बजे से निकलकर रात्रि 9:00 बजे घर आता हूँ, इस दरम्यान मेरे पुत्र द्वारा मेरा पीछा किया जाता है, मेरे समझाने पर भी मेरी पत्नी व पुत्र के स्वाभाव व व्यवहार मे कोई परिवर्तन नही आया है । इस कारण मै अपने परिवार का मुखिया एवं प्रमुख होने के नाते आम सूचना प्रकाशित कराकर यह घोषित करता हूँ कि मैं अपनी पत्नी श्रीमती अचला जायसवाल व पुत्र प्रफुल्ल जायसवाल के कार्य व्यवहार व प्रताड़ना से नाखुश होकर अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करना चाहता हूँ और उक्त बातो के लिये मेरी पत्नी अचला जायसवाल व मेरा पुत्र प्रफुल्ल जायसवाल पूर्णरूपेण जिम्मेदार है।

महेश जैन (एड.)
नोटरी
तह. कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

अमरकंटक में पर्यटकों के साथ मारपीट के आरोपी पुलिस के शिकंजे मे

सोशल मीडिया मे वायरल वीडियो को पुलिस अधीक्षक ने तुरंत लिया संज्ञान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

4 अगस्त सावन सोमवार को मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया मे वायरल होने से तत्काल संज्ञान में लेकर फरियादी को तलाशकर तलब किया जिसने थाने मे उपस्थित होकर फरियादी आदित्य उर्फ राज गुप्ता पिता नत्थू प्रसाद गुप्ता उम्र 18 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 12 मनेंद्रगढ़ पेट्रोल पंप के पास जिला एम.सी.बी. छ.ग. का हमराह साथी अमृत भारती पिता अर्जुन भारती, वर्षा सोनवानी पिता दीपक सोनवानी उम्र 23 वर्ष, फारूख खान पिता अब्दुल भजी खान उम्र 27 वर्ष निवासी मनेंद्रगढ़ के साथ रिपोर्ट दर्ज कराया कि मैं 4 अगस्त को अपने साथियों के साथ रियाजुद्दीन चौहान के सफेद रंग की बलेनो कार क्रमांक सीजी 10 एटी 8200 में बैठकर मनेंद्रगढ़ से अमरकंटक घूमने आया था। वाहन आगे पीछे करने की बात को लेकर आरोपियान आनंद केवट, शत्रुधन उर्फ माधव पनाड़िया, अनुज यादव, तन्नू उर्फ साहिल मांझी निवासी बांधा जमुनादादर अमरकंटक ने वाहन को रोककर गालियां देते हुए जान से मार देने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का से मारपीट कर इनके वाहन को तोड़फोड़ कर छतिग्रस्त कर दिये थे। उक्त रिपोर्ट पर आरोपियानों के विरूद्ध अपराध क्रे, 138/2025 126(2), 296, 115(2), 324(4), 351(3), 3 (5) बीएनएस एवं आरोपियों के विरूद्ध इस्तगासा क्रं, 20/25 , 21/25, 22/25, 23/25 धारा 170 बी.एन.एस.एस. एवं इस्तगासा क्रमांक 403/25, 404/25, 405/25, 406/25 धारा 126, 135(3) बी.एन.एस.एस. का तैयार कर 6 अगस्त को आरोपियानों को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय किया गया। उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ़ के निर्देशन में थाना प्रभारी अमरकंटक एलबी तिवारी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक बीएस बघेल, सहायक उपनिरीक्षक ईश्वर यादव, रघुराज सिंह, प्रधान आरक्षक पूरन सिंह मरावी, राजेन्द्र श्याम, आरक्षक अमलेश बघेल, मनोज धुर्वे, पंकज निरंकार, कृष्णा रजावत, रवि पटेल, रघुराज सिंह, पवन तिवारी द्वारा की गई।